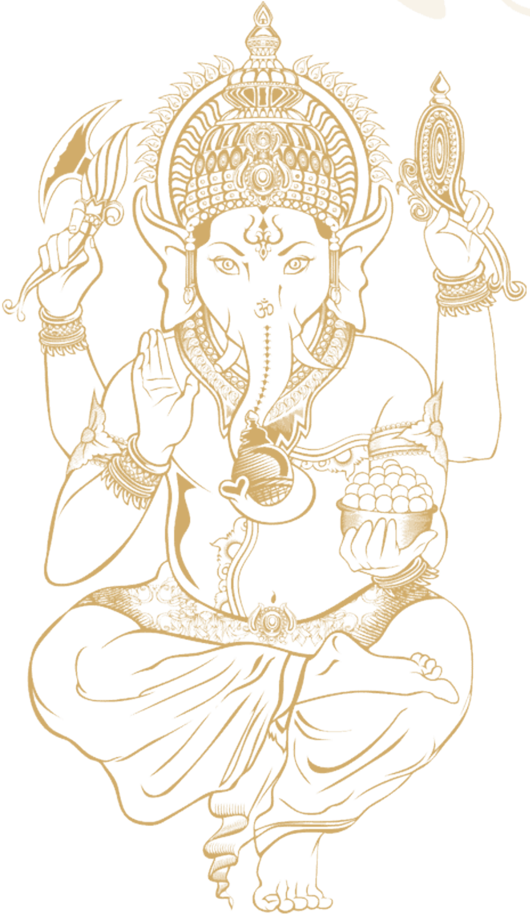

Varun Gupta

28 Aug 1984

12:35 AM

Jammu

Model: Varshphal-2017

Order No: 121812901

तिथि 28/08/1984 **समय** 00:35:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Jammu **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:38:20
अक्षांश 32:44:00 उत्तर **रेखांश** 74:52:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:30:32 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	22:29:15 घं	गण	मनुष्य
वेलान्तर	00:01:12 घं	योनि	मूषक
सूर्योदय	06:01:54 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	19:01:31 घं	वर्ण	क्षत्रिय
चैत्रादि संवत	2041	वश्य	वनचर
शक संवत	1906	वर्ग	श्वान
मास	भाद्रपद	युँजा	मध्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	अग्नि
तिथि	2	जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	ताम्र-रजत
योग	सिद्ध	होरा	चंद्र
करण	बालव	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी		योगिनी	
शुक्र 2वर्ष 4मा 26दि		उल्का 0वर्ष 8मा 20दि	
राहु		सिद्धा	
23/01/2010		18/05/2021	
23/01/2028		18/05/2028	
राहु	05/10/2012	सिद्धा	27/09/2022
गुरु	28/02/2015	संकटा	17/04/2024
शनि	04/01/2018	मंगला	27/06/2024
बुध	24/07/2020	पिंगला	16/11/2024
केतु	11/08/2021	धान्या	17/06/2025
शुक्र	11/08/2024	भ्रामरी	29/03/2026
सूर्य	06/07/2025	भद्रिका	19/03/2027
चन्द्र	05/01/2027	उल्का	18/05/2028
मंगल	23/01/2028		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:17:18	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	बुध	---	0:00			
सूर्य			11:01:46	सिंह	मघा	4	केतु	शनि	मूलत्रिकोण	1.41	पुत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			25:03:48	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	मित्र राशि	1.47	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल			11:51:19	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	चंद्र	स्वराशि	1.29	मातृ	भ्रातृ	वध
बुध	व	अ	12:33:30	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	मित्र राशि	1.01	भ्रातृ	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु	व		09:29:42	धनु	मूल	3	केतु	शनि	स्वराशि	1.10	ज्ञाति	धन	अतिमित्र
शुक्र			00:55:51	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	राहु	नीच राशि	1.39	कलत्र	कलत्र	सम्पत
शनि			17:41:38	तुला	स्वाति	4	राहु	सूर्य	उच्च राशि	1.64	अमात्य	आयु	प्रत्यारि
राहु	व		08:02:42	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	सम्पत
केतु	व		08:02:42	वृश्चि	अनुराधा	2	शनि	केतु	मित्र राशि		---	मोक्ष	वध

लग्न-चलित

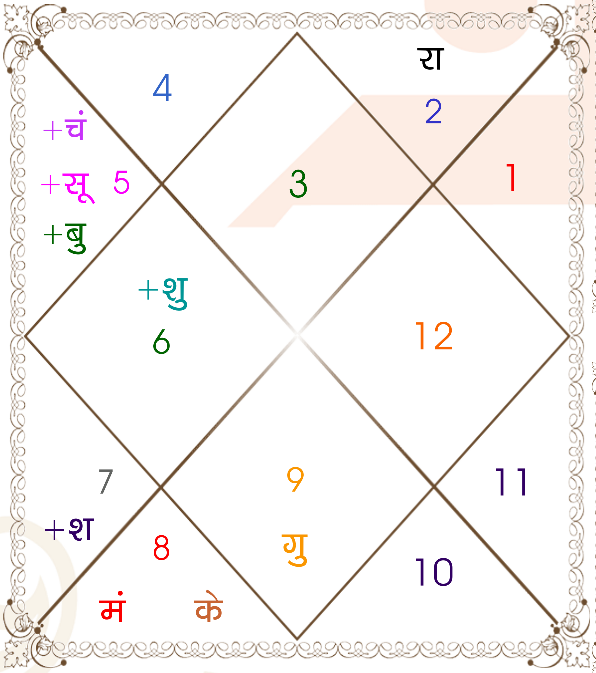

चन्द्र कुंडली

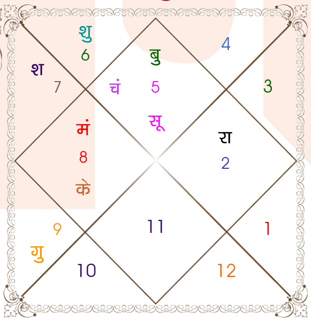

नवमांश कुंडली

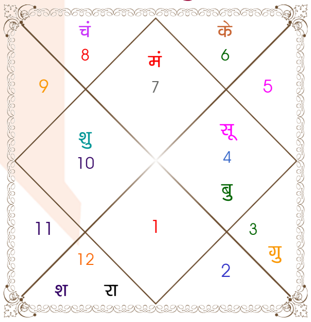

सर्वाष्टकवर्ग

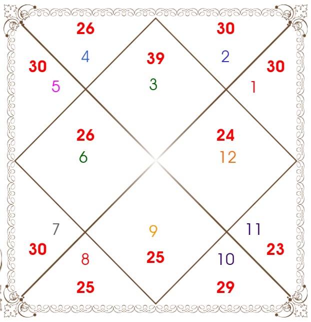

दशमांश कुंडली

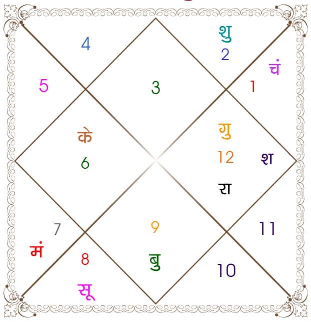

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रूचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे एवं इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । मन से भी आप शान्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही नवीन आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा व्यापार में इच्छित सफलता एवं धनार्जन प्राप्त होगा। साथ ही व्यापार में वृद्धि या किसी नवीन कार्य की योजना भी बन सकती है। नौकरी या राजनीति में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे । इस समय अतिरिक्त धनार्जन भी होगा एवं सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करके उनका उपभोग करेंगें। अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मन में भी शान्ति एवं सन्तुष्टि विद्य मान रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा विगत रुके हुए कार्य सफल होंगे। साथ ही समस्त आशाएं एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे तथा कोई भाग्योदय संबधी महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होगा । भौतिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस समय आपके महिला मित्रों की संख्या में भी वृद्धि होगी तथा संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी एवं उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको वांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा तथा उन्नति के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपसे वे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।अतः नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी साथ ही मित्र वर्ग से भी लाभार्जन होगा ।इस वर्ष अध्ययन या ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा किसी विशिष्ट परीक्षा आदि में उतीर्ण होंगे तथा संबधियों एवं मित्र वर्ग के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी एवं वे सभी लोग आपको पूर्ण स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। राजनीति के क्षेत्र में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। अतः इस समय आपको इस क्षेत्र में सक्रिय रहकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। इससे आपके भविष्य में काफी उन्नति तथा परिवर्तन आ सकते हैं। अतः यत्नशील रहें।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबंधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया अच्छा रहेगा साथ ही मानसिक शान्ति एवं सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा तथा यदा कदा अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी परन्तु आप दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना हो सकती है अतः सावधान रहें। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा तथा सामान्य रूप से धनार्जन होता रहेगा। इस समय आपकी यात्राएं भी सम्पन्न हो सकती है परन्तु इनमें लाभ अल्प मात्रा में ही होगा परन्तु यात्रा के मध्य शारीरिक या मानसिक परेशानी हो सकती है।

इस वर्ष में मित्रों तथा संबधियों से आपके सामान्य संबध अच्छे रहेंगे परन्तु इच्छित सहयोग एवं लाभ अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा साथ ही यदा कदा कोई विवाद भी उत्पन्न हो सकता है। नौकरी या व्यापार आदि के लिए भी समय सामान्यतया अनुकूल रहेगा तथा स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप वांछित उन्नति या सफलता प्राप्त करते रहेंगे। व्यापार में इस समय आप किसी नवीन कार्य की रूप रेखा तैयार कर सकते हैं। इस वर्ष में आपके रूके हुए कार्य भी बनेंगें तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। अतः आप अधिक परिश्रम करें तो यह वर्ष आपके लिए काफी उन्नतिदायक सिद्ध हो सकता है।

प्रथम मास

28/08/2026 18:44:23 से 28/09/2026 14:30:52 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	06:40:54
सूर्य		सिंह	मघा	11:01:46
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	15:26:28
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	16:57:58
बुध		सिंह	मघा	11:51:41
गुरु		कर्क	आश्लेषा	18:44:22
शुक्र		कन्या	चित्रा	26:06:56
शनि	व	मीन	रेवती	19:38:06
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:36:32
केतु	व	सिंह	मघा	05:36:32
मुंथा		धनु	मूल	00:17:18

मासाधिपति

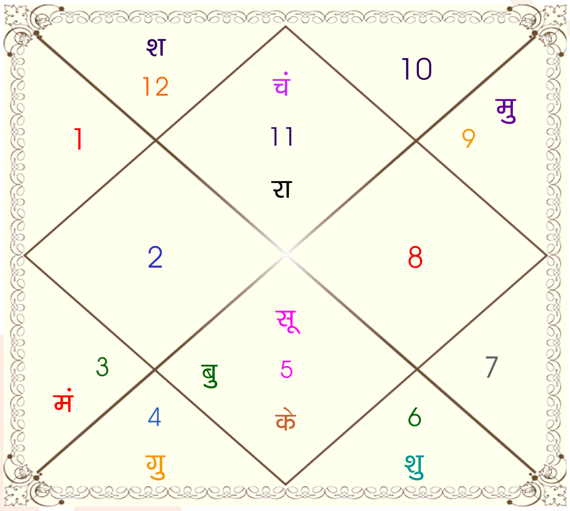

मासाधिपति : बुध

इस मास में आपको शुभ फलों की अधिक मात्रा में प्राप्ति होगी। स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से धन लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा हृदय से भी पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। साथ ही ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी उन्नति करेंगे। इस समय मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वांछित पदार्थो का आप उपभोग करके प्रसन्न रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप शुभ फल ही प्राप्त करेंगे एवं सम्बन्धियों में आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे। इस प्रकार यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदा कदा अशुभ फल भी होंगे।जिसके प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं एवं किसी कठोर कार्य को करने से सम्मान में अल्पता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अग्नि के द्वारा धन हानि की भी संभावना रहेगी।अतः बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास

28/09/2026 14:30:52 से 28/10/2026 21:53:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	26:23:15
सूर्य		कन्या	हस्त	11:01:46
चन्द्र		मेष	अश्विनी	02:28:13
मंगल		कर्क	पुष्य	05:55:09
बुध		तुला	चित्रा	02:54:04
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:53:02
शुक्र		तुला	स्वाति	13:48:05
शनि	व	मीन	रेवती	17:33:02
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:09:06
केतु	व	सिंह	मघा	05:09:06
मुंथा		धनु	मूल	02:47:18

मासाधिपति

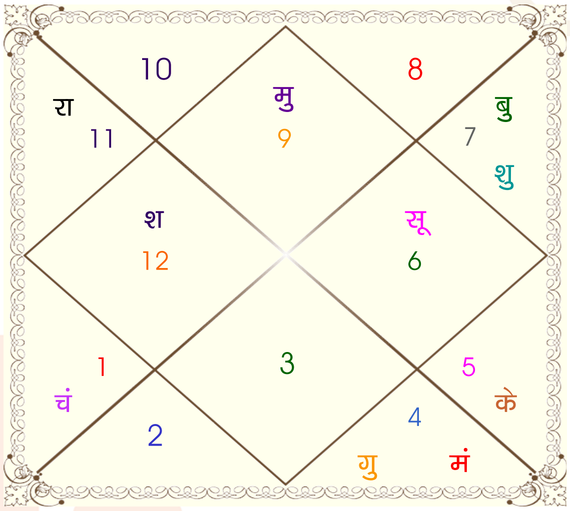

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुखदायक एवं आनंदवर्द्धक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं का नाश होगा तथा लाभमार्ग भी नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे फलतः आर्थिक रूप से आप पूर्ण सुदृढ़ रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे।साथ ही समाजिक जनों से आप पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। यह मास आपकी भाग्योन्नति में भी सहायक रहेगा तथा कई ऐसे शुभ कार्य जो समय से सिद्ध न हो रहे हों इस समय सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त बन्धु एवं मित्रों से संबन्धों में मधुरता बढ़ेगी तथा सांसारिक कार्यों में पूर्ण सफलता मिलेगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेंगे तथा इनसे आप अनुकूल सहयोग होता रहेगा।

साथ ही आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा सुख पूर्वक मास को व्यतीत करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज से आप पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास

28/10/2026 21:53:20 से 27/11/2026 17:53:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	18:08:49
सूर्य		तुला	स्वाति	11:01:46
चन्द्र		वृष	रोहिणी	15:11:09
मंगल		कर्क	आश्लेषा	22:41:59
बुध	व	तुला	विशाखा	25:22:08
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:40:25
शुक्र	व	तुला	चित्रा	03:47:54
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:16:01
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:59:21
केतु	व	सिंह	मघा	02:59:21
मुंथा		धनु	मूल	05:17:18

मासाधिपति

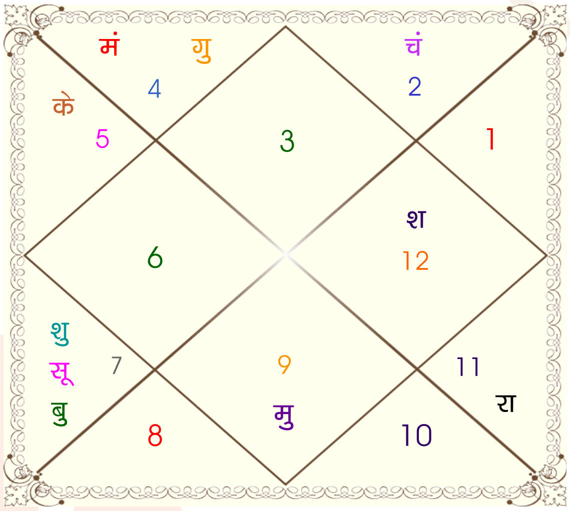

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलिक्षत होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास
27/11/2026 17:53:34 से 27/12/2026 06:27:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	19:44:21
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	11:01:46
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	21:42:15
मंगल		सिंह	मघा	06:22:13
बुध		तुला	विशाखा	22:53:21
गुरु		सिंह	मघा	02:23:57
शुक्र		तुला	चित्रा	01:58:19
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:51:36
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	29:43:02
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	29:43:02
मुंथा		धनु	मूल	07:47:18

मासाधिपति

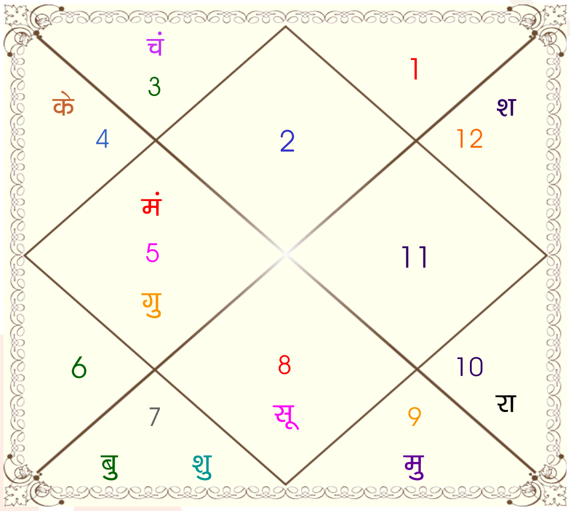

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए समान्यता अशुभ रहेगा। इस समय आपको शत्रुओं से भय बना रहेगा तथा मन में चिन्ता व्याप्त रहेगी साथ ही आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। इस समय आप अनावश्यक रूप से धन व्यय करेंगे एवं धर्म के प्रति भी आपके मन की श्रद्धा में अल्पता आएगी। आपका स्वास्थ्य भी इस मास में अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक व्याकुलता प्राप्त करेंगे परिणामतः आपके शारीरिक बल में भी न्यूनता आएगी तथा आपको दुर्बलता का आभास होगा। इसके साथ ही इस मास आप दूर की यात्रा भी कर सकते हैं। अपने सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप प्रायः असफल ही रहेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी शिथिल होंगे।

साथ ही इस मास में आप वायु से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी जाने अनजाने सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में मान हानि हो सकती है। इसके साथ ही आग के द्वारा भी आपको किसी प्रकार से हानि हो सकती है। अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास
27/12/2026 06:27:11 से 25/01/2027 17:18:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:29:45
सूर्य		धनु	मूल	11:01:46
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	22:57:15
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:56:03
बुध		धनु	मूल	07:46:22
गुरु	व	सिंह	मघा	02:28:06
शुक्र		तुला	विशाखा	24:23:30
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:55:45
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:11:04
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:11:04
मुंथा		धनु	मूल	10:17:18

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

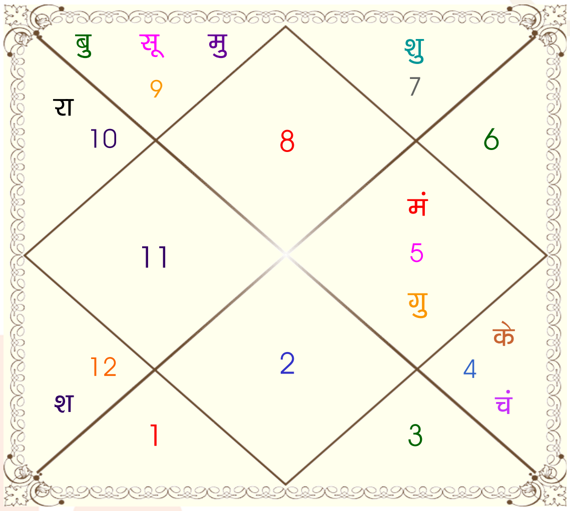

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

25/01/2027 17:18:14 से 24/02/2027 08:35:32 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	04:03:11
सूर्य		मकर	श्रवण	11:01:46
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:05:30
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:43:42
बुध		मकर	धनिष्ठा	26:12:31
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:55:19
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:25:35
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:30:33
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:19:22
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:19:22
मुंथा		धनु	मूल	12:47:18

मासाधिपति

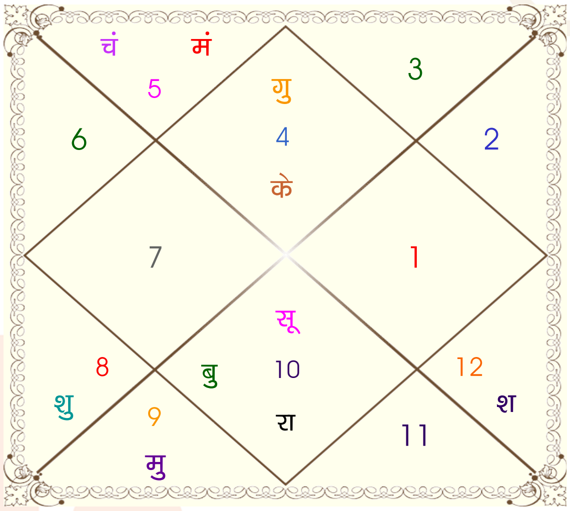

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

सप्तम् मास

24/02/2027 08:35:32 से 26/03/2027 09:25:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	13:20:34
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	11:01:46
चन्द्र		कन्या	हस्त	22:44:05
मंगल	व	सिंह	मघा	04:45:37
बुध	व	मकर	धनिष्ठा	29:51:32
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:05:56
शुक्र		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:40:18
शनि		मीन	रेवती	18:17:43
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:14:27
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:14:27
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:17:18

मासाधिपति

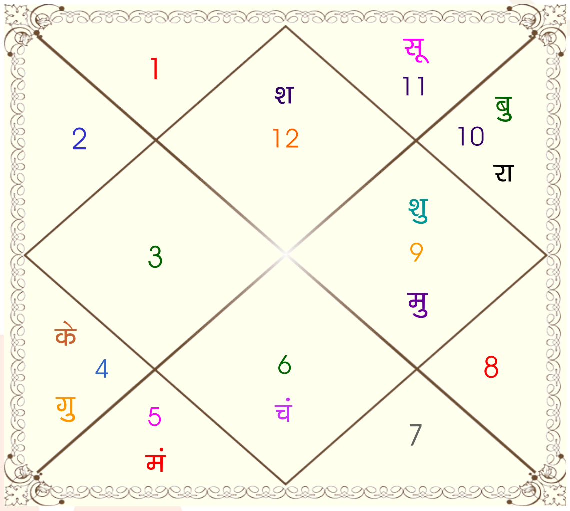

मासाधिपति : गुरु

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
26/03/2027 09:25:26 से 25/04/2027 22:32:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	कृतिका	09:02:16
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	11:01:46
चन्द्र		तुला	विशाखा	27:24:22
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	26:56:38
बुध		कुम्भ	शतभिषा	14:59:36
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:15:40
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	05:32:29
शनि		मीन	रेवती	21:50:53
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:15:37
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:15:37
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:47:18

मासाधिपति

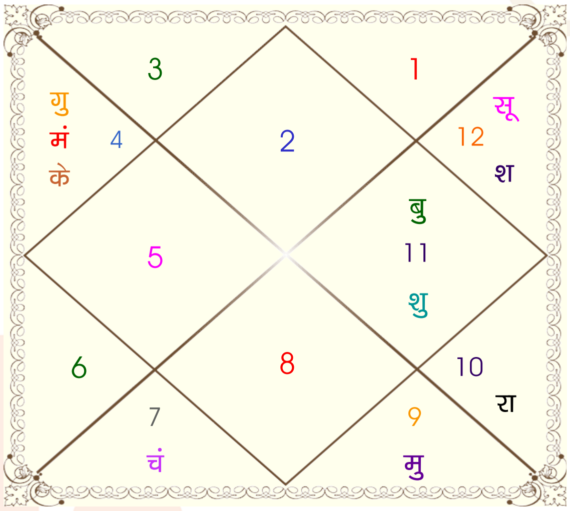

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

नवम् मास
25/04/2027 22:32:42 से 26/05/2027 23:27:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:54:30
सूर्य		मेष	अश्विनी	11:01:46
चन्द्र		धनु	मूल	06:51:23
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:51:49
बुध		मेष	अश्विनी	07:23:11
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:59:59
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	12:28:55
शनि		मीन	रेवती	25:40:45
राहु	व	मकर	श्रवण	22:38:37
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	22:38:37
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:17:18

मासाधिपति

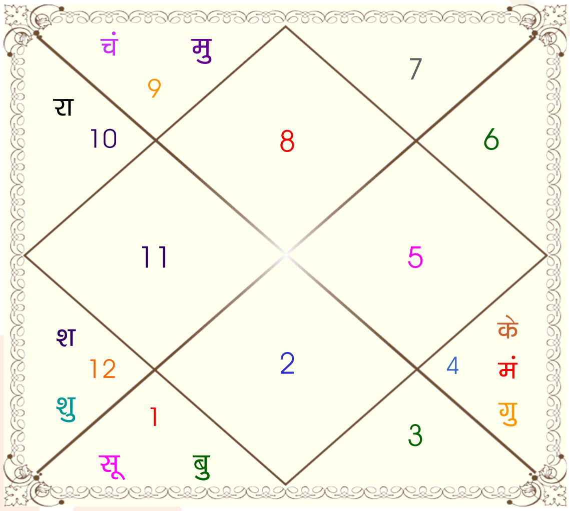

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रुचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
26/05/2027 23:27:53 से 27/06/2027 08:22:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	08:44:05
सूर्य		वृष	रोहिणी	11:01:46
चन्द्र		मकर	श्रवण	20:56:24
मंगल		सिंह	मघा	10:36:43
बुध		मिथुन	मृगशिरा	03:46:05
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:30:56
शुक्र		मेष	भरणी	20:11:47
शनि		मीन	रेवती	29:15:47
राहु		मकर	श्रवण	19:38:42
केतु		कर्क	आश्लेषा	19:38:42
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:47:18

मासाधिपति

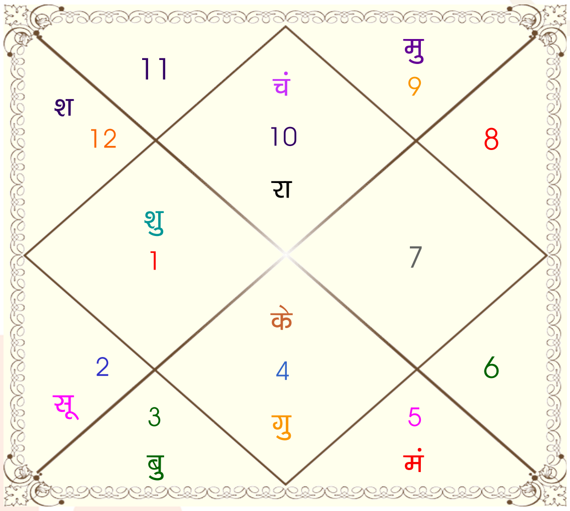

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अशुभ अधिक तथा शुभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति प्राप्त होगी जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगे।साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य कठिन परिश्रम करने के बाद भी सफल नहीं होंगे। इस मास में धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि होती रहेगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुओं से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुपक्ष से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को प्रारम्भ करेंगे उसी में असफलता मिलेगी। अतः संयम पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से वांछित सहयोग अर्जित करेंगें तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि को भी प्राप्त कर सकते है। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

एकादश मास

27/06/2027 08:22:35 से 28/07/2027 19:07:13 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	17:46:38
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	11:01:46
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	10:03:16
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:46:16
बुध	व	मिथुन	मृगशिरा	05:20:21
गुरु		सिंह	मघा	00:11:46
शुक्र		वृष	मृगशिरा	28:27:25
शनि		मेष	अश्विनी	02:02:46
राहु	व	मकर	श्रवण	17:49:42
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:49:42
मुंथा		धनु	पूर्वाषाढ़ा	25:17:18

मासाधिपति

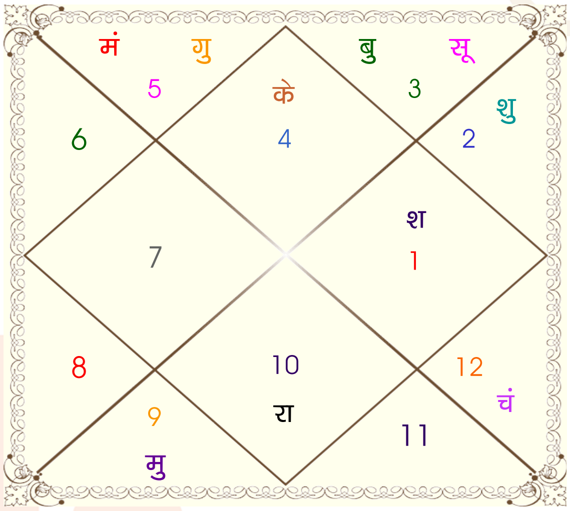

मासाधिपति : शुक्र

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे।साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

द्वादश मास
28/07/2027 19:07:13 से 29/08/2027 00:59:24 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	05:00:59
सूर्य		कर्क	पुष्य	11:01:46
चन्द्र		वृष	कृतिका	04:17:09
मंगल		कन्या	हस्त	13:32:03
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	26:17:20
गुरु		सिंह	मघा	06:14:24
शुक्र		कर्क	पुष्य	07:02:33
शनि		मेष	अश्विनी	03:30:19
राहु	व	मकर	श्रवण	17:15:57
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:15:57
मुंथा		धनु	उत्तराषाढ़ा	27:47:18

मासाधिपति

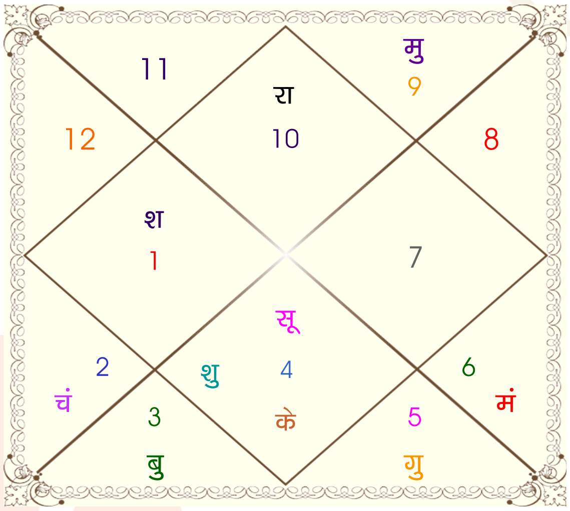

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला सिद्ध होगा इस समय आप अधिक मात्रा में व्यय करेंगे जिससे आप आर्थिक दृष्टि से परेशान होंगे।साथ ही आप दुष्ट मनुष्यों की संगति में भी रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अधिक परिश्रम के द्वारा अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में उपेक्षा का भाव रहेगा।संबधियों तथा मित्रों से भी आपके मधुर सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा इनसे परस्पर मनमुटाव रहेगा। इस समय आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी फलतः मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरक्त शत्रु वर्ग से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप शीत से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी समाज में अवमानना होगी तथा बाद में आप पश्चाताप करेंगे। साथ ही आग के द्वारा भी आपको हानि हो सकती है। अतः संयम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।